



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समत्त्वार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
टी २० भूज	७.९.२१	९	५-८

हक्कि नें दो दिवसीय ऑफलाइन कृषि मेला कल से

उन्नत किसी का 9000 बिंबल बीज उपलब्ध

दृष्टिभूमि न्यूज || हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में दो साल बाद आयोजित होने वाले ऑफलाइन कृषि मेला(रबी) के दौरान किसानों को विभिन्न फसलों की उन्नत किसी के बीज उपलब्ध करवाए जाएंगे। मेले में बिक्री के लिए विश्वविद्यालय के पास विभिन्न फसलों की उन्नत किसी का करीब 9000 बिंबल बीज उपलब्ध है जो किसानों को मुहैया करवाया जाएगा। इसके अलावा विश्वविद्यालय द्वारा विकसित की गई सब्जियों के बीज

- मेले में किसानों को नहीं रहेगी बीज की कमी : प्रो. काम्बोज
- सफलतापूर्व आयोजन के लिए बैठक में कुलपति ने दिए निर्देश

भी उपलब्ध करवाए जाएंगे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने मेले के सफल आयोजन के लिए अधिकारियों की बैठक आयोजित कर दिशा-निर्देश दिए। किसानों के हित के लिए उनकी मांग पर विश्वविद्यालय द्वारा

तैयारियों को दिया जा रहा अंतिम रूप

किसान मेले को लेकर विश्वविद्यालय की ओर से तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है और कमोटियों का गठन कर दिया जाया है। मेले के दौरान विश्वविद्यालय के लवभव सभी महाविद्यालयों की ओर से प्रदर्शनी लगाई जाएगी और विभिन्न फसलों की विकसित किसीओं और तकनीकों की जावकारी दी जाएगी। साथ ही प्रजनेतरी सत्र में आयोजित दिया जाएगा जिसमें किसान अपनी फसल संबंधी समस्याओं का बहुतरीन तरीके से समाधान हासिल कर सकेंगी।

दो वर्ष बाद कृषि मेले का आयोजन परम्परागत तरीके से ऑफलाइन किया जा रहा है ताकि किसानों को उच्च गुणवत्ता वाले बीज व आधुनिक तकनीक मिल सकें। कुलपति ने बताया कि मेले के दौरान गांव व केंद्र सरकार की ओर से कोरोना महामारी को लेकर जारी सभी हिदायतों का सख्ती से पालन किया जाएगा।

इन फसलों के बीज

किसानों की मेले के दौरान रामदेव रिहे सीड फार्म, पार्म विद्यालय व मेला गाउड़ के प्रेशा द्वारा सियाँ बीज बिक्री केंद्र पर बीजों की बिक्री की जाएगी। गेहूं, जौ व चान की किसी के अलावा सब्जियों में गाजर, मूँगा, टमाटर, पालक, बैंगन, मटर, मट्टी, धनिया, प्याज, शताजम का बीज उपलब्ध रहेगा। मेले के दौरान किसानों को विभिन्न फसलों व सब्जियों की उन्नत बीजों के अलावा फलदार पौधे भी बिक्री किए जाते हैं। इस बार अमरुद, बेरी, अंवला, करोबा, अंसूर, आड़ तथा अनार के पौधे दिए जाएंगे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

सम्पर्क पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
२५ जून २०२१	१०.७.२१	५	३-६

कृषि मेले में नहीं आएगी बीज की कमी नौ हजार बिंटल बीज कराया उपलब्ध

दो साल बाद आठ और नौ सितंबर को आफलाइन कृषि मेला (रबी) आयोजित होगा

जागरण संवाददाता, हिसार:
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में दो साल बाद आयोजित होने वाले आफलाइन कृषि मेले के दौरान किसानों को विभिन्न फसलों की उन्नत किस्मों के बीज उपलब्ध करवाए जाएंगे। मेले में बिक्री के लिए विश्वविद्यालय के पास विभिन्न फसलों की उन्नत किस्मों का करीब नौ हजार बिंटल बीज उपलब्ध है जो किसानों को मुहैया कराया जाएगा। इसके अलावा विश्वविद्यालय द्वारा विकसित की गई सब्जियों के बीज भी उपलब्ध करवाए जाएंगे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बीआर काम्बोज ने मेले के सफल आयोजन के लिए अधिकारियों की बैठक आयोजित कर दिशा-निर्देश दिए। किसानों के हित के लिए उनकी मांग पर विश्वविद्यालय द्वारा दो वर्ष बाद कृषि मेले का आयोजन परम्परागत तरीके से आफलाइन किया जा रहा है ताकि किसानों को उच्च गुणवत्ता वाले बीज व आधुनिक तकनीक मिल सके।

अन्य प्रदेश के किसानों के



विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बीआर काम्बोज बैठक के दौरान अधिकारियों को दिशा-निर्देश देते हुए। ● पीआरओ

तैयारियों को दिया जा रहा अंतिम रूप

किसान मेले को सफल बनाने के लिए विश्वविद्यालय की ओर से तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है और कमेटियों का गठन कर दिया गया है। मेले के दौरान विश्वविद्यालय के लगभग सभी महाविद्यालयों की ओर

से प्रदर्शनी लगाई जाएगी। विभिन्न फसलों की विकसित किस्मों की जानकारी दी जाएगी। इसके साथ ही प्रश्नोत्तरी सत्र भी आयोजित किया जाएगा। किसान अपनी फसल संबंधी समस्याओं का समाधान जान सकेंगे।

किसानों की सुविधा के लिए फलदार पौधों की मौके पर खड़ी होगी ट्राली

मेले के दौरान किसानों को विभिन्न फसलों व सब्जियों की उन्नत किस्मों के बीजों के अलावा फलदार पौधे भी बिक्री किए जाते हैं। किसानों की सुविधा के लिए मेला ग्राउंड में ही फलदार पौधों की ट्राली खड़ी की जाएगी ताकि किसानों को पौधे लेने के लिए मेला ग्राउंड से दूर विश्वविद्यालय के फार्म पर न जाना पड़े। इस बाय मेले में अमरुद, बैरी, आंवला, आदू व अनार के पौधे दिए जाएंगे। मेले के दौरान रामधन सिंह सीड फार्म, फार्म निदेशालय व मेला ग्राउंड के प्रवेश द्वार स्थित केंद्र पर बीजों की बिक्री की जाएगी।

को किसी प्रकार की मेले के दौरान असुविधा न हो इसके लिए कमेटियों का गठन किया गया है जो किसानों को जागरूक करने के साथसम्याओं का समाधान भी करेंगी।



**चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय**

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सजीट समाचार	७.१.२१	५	७-८



विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज बैठक के दौरान अधिकारियों को दिशा-निर्देश देते हुए।

एग्र्यूकृषि मेले में किसानों को नहीं रहेगी बीज की कमी, उन्नत किसान कालांग 9000 डिग्टल बीज उपलब्ध : प्रो. काम्बोज

हिसार, 6 सितंबर (देवानंद मांग पर विश्वविद्यालय द्वारा दो वर्ष बाद सोनी): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में दो साल बाद तरीके से ऑफलाइन किया जा रहा है आयोजित होने वाले ऑफलाइन कृषि मेले (रोडो) के दौरान किसानों को बीज व अधुनिक तकनीक मिल सके। कुलपति ने बताया कि न केवल प्रदेश विभिन्न फसलों की उत्तर किसानों के बीज उपलब्ध करवाए जाएंगे। मेले में विक्री के लिए विश्वविद्यालय के पास विभिन्न फसलों की उत्तर किसानों का करीब 9000 डिग्टल बीज उपलब्ध है जो किसानों को मुहैया करवाया जाएगा। इसके अलावा विश्वविद्यालय द्वारा विकसित की गई सब्जियों के बीज भी उपलब्ध करवाए जाएंगे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने मेले के सफल आयोजन के लिए अधिकारियों की बैठक आयोजित कर दिशा-निर्देश दिए। किसानों के हित के लिए उनकी

कृषि मेले का आयोजन परंपरागत तरीके से ऑफलाइन किया जा रहा है ताकि किसानों को उच्च गुणवत्ता वाले बीज व अधुनिक तकनीक मिल सके। कुलपति ने बताया कि न केवल प्रदेश विभिन्न अन्य प्रदेशों के किसानों को भी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित किए जाने वाले मेले का इंतजार रहता है और वे भारी तादाद में इसमें हिस्सा लेते हैं। मेले के दौरान राज्य व केंद्र सरकार की ओर से कोरोना महामारी को लेकर जारी सभी हिदायतों का सख्ती से पालन किया जाएगा। किसानों को किसी प्रकार की मेले के दौरान असुविधा न हो इसके लिए कमेटीयों का गठन किया गया है जो किसानों को जागरूक करने के साथ-साथ उनकी समस्याओं का समाधान भी करेंगी।



5

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार मञ्च कानूनाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
प्रजाव भैसरी	७-९-२१	५	१-२



बैठक के दौरान अधिकारियों को दिशा-निर्देश देते विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज।

'कृषि मेले को लेकर दिए दिशा-निर्देश'

हिसार, ६ सितम्बर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में दो साल बाद आयोजित होने वाले ऑफलाइन कृषि मेला (रबी) के दौरान किसानों को विभिन्न फसलों की उत्पत्ति किसी के बीज उपलब्ध करवाए जाएंगे। मेले में बिक्री के लिए विश्वविद्यालय के पास विभिन्न फसलों की उत्पत्ति किसी का करीब 9000 बिंदुल बीज उपलब्ध है, जो किसानों को मुहैया करवाया जाएगा।

इसके अलावा विश्वविद्यालय द्वारा विकसित की गई सब्जियों के बीज भी उपलब्ध करवाए जाएंगे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने मेले के सफल आयोजन के लिए अधिकारियों

की बैठक आयोजित कर दिशा-निर्देश दिए। किसानों के हित के लिए उनकी मांग पर विश्वविद्यालय द्वारा दो वर्ष बाद कृषि मेले का आयोजन परम्परागत तरीके से ऑफलाइन किया जा रहा है ताकि किसानों को उच्च गुणवत्ता वाले बीज व आधुनिक तकनीक मिल सके। किसान मेले का सफल बनाने के लिए विश्वविद्यालय की ओर से तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। और कमटियों का गठन कर दिया गया है।

मेले के दौरान विश्वविद्यालय के लगभग सभी महाविद्यालयों की ओर से प्रदर्शनी लगाई जाएंगी और विभिन्न फसलों की विकसित किसी भी और तकनीकों की जानकारी दी जाएगी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
२१ नवंबर २०२१	७-९-२१	२	६-७

**एचएयू कृषि मेले में नहीं रहेगी बीज की कमी,
उन्नत किस्मों के 9000 विवर्टल बीज उपलब्ध**

हिसार। एचएयू में दो साल बाद आयोजित होने वाले ऑफलाइन कृषि मेला (रबी) के दौरान किसानों को विभिन्न फसलों की उन्नत किस्मों के बीज उपलब्ध करवाया जाएगा। मेले में बिक्री के लिए विश्वविद्यालय के पास विभिन्न फसलों की उत्तम किस्मों का करीब 9000 विवर्टल बीज उपलब्ध है जोकि किसानों को मुहैया करवाया जाएगा। इसके अलावा एचएयू द्वारा विकसित की गई सभिजायों के बीज भी उपलब्ध करवाया जाएंगे।

एचएयू के वीसी प्रोफेसर वी.आर. कामवांज ने मेले के सफल आयोजन के लिए अधिकारियों की बैठक लेकर दिशा-निर्देश दिए। वीसी ने बताया कि कमेटियों का गठन किया गया है जो किसानों को जागरूक करने के साथ-साथ उनकी समस्याओं का समाधान भी करेंगी। मेले के दौरान विश्वविद्यालय के लगभग सभी महाविद्यालयों की ओर से प्रदर्शनी लगाई जाएगी और विभिन्न फसलों की विकसित किस्मों और तकनीकों की जानकारी दी जाएगी। साथ ही प्रश्नोत्तरी सत्र भी होगा जिसमें किसान अपनी फसल संबंधी समस्याओं का बहतरीन तरीके से समाधान हासिल कर सकेंगी। किसानों को मेले के दौरान रामधन सिंह सीड फार्म, फार्म निदेशालय व मेला ग्राउंड के प्रवेश द्वारा स्थित बीज बिक्री केंद्र पर बीजों की बिक्री की जाएगी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पान्डु	06.09.2021	08	01-03

**8 व 9 सितंबर को होगा ऑफलाइन कृषि मेला (रबी), सफलतापूर्व आयोजन के लिए बैठक में कुलपति ने दिए-दिशा निर्देश
एचएयू कृषि मेले में किसानों को नहीं रहेगी बीज की कमी, उत्तर किसों का लाभा 9000 लिंगटल बीज उपलब्ध : प्रौ. कामोज**

पांच बड़ी खबर

हिसार। बीपरी चारण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में दो सप्ताह बाद आयोजित होने वाले अभ्यासन कृषि मेले (रबी) के लिए विद्यार्थी को विविध घटनाएं को उत्तम किसानों के बीच उत्तमतम करवाया जाएगा। मेले में विद्यार्थी के लिए विश्वविद्यालय के पास किसान घटनाएं की उत्तम किसानों का करिव 9000 लिंगटल बीज उपलब्ध है जो किसानों को मुश्किल बीज उपलब्ध है जो किसानों को मुश्किल बीज उपलब्ध है। इनके अलावा विश्वविद्यालय द्वारा विकासित की गई सहितीयों के बीज भी उपलब्ध करवाया जाएगा।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रौद्योगिकी और कानूनी ने मेले के समस्त आयोजन के लिए आयोजितीयों को बैठक आयोजन का दिए-दिशा दिए। विद्यार्थी के लिए के लिए उनकी मोहर पर विश्वविद्यालय द्वारा दो लंबे चार कृषि मेले का आयोजन परामर्श तोके से अभ्यासन किया जा रहा है ताकि किसानों को उच्च गुणवत्ता वाले खेज बीज



आयोजित नकारों के बिना किया जाएगा। कृषिकर्ता ने बताया कि न केवल पूरी विद्यालय के अध्यक्षों के लिए विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित किया जाने वाले मेले का बहुआग्रह दर्शता है और वे भारी तरह में दूरसंचय किया जाएंगे। और से कोई समस्या नहीं होती है। ऐसे मेले के लिए किसानों को जागरूक कराने के साथ-साथ उनकी कृषि किसानों को सम्पादन भी करायी।

तैयारियों को दिया जा रहा अंतिम कृषि किसान मेले को सफल बनाने के लिए विश्वविद्यालय की ओर से विद्यार्थी को लेकर जारी की गयी हिदायतों का लाभी से पालन किया

जाएगा। किसानों की किसी प्रकार की मेले के द्वारा असुधार न हो इसके लिए कमेटीयों का एक विद्यार्थी नाम दिया गया है जो किसानों को जागरूक कराने के साथ-साथ उनकी कृषि किसानों को सम्पादन भी करायी।

तैयारियों को दिया जा रहा अंतिम कृषि किसान मेले का उद्देश्य वह है कि विद्यार्थी की ओर से विद्यार्थी को उत्तम कृषि विद्यालय के लिए जाते हैं। किसानों को सुविधा के लिए मेला शार्ड में ही हो विश्वविद्यालय की दूसरी ओर जाएंगे। विद्यार्थी की दूसरी ओर जाएंगे। एवं मेला शार्ड से दूर विश्वविद्यालय के फर्म पर न जाएंगे। इस बाबत में में अमरल, बेरी, अवला, करिंव, अंगू, आदि टमटो, पालक, बोन, बटा, गेहू, पानीया, प्पाज, रसनजन का भी उपलब्ध होगा।

इन कामोजों व सहितीयों के मिलाए बीज विद्यार्थी को मैले के द्वारा गमन मिले सीधे खाने, जास निर्देशन व सेवा प्राप्त के लिए द्वारा सितां बीज विद्यार्थी के पास जाएगी। और से प्रदर्शनी लाइंड जाएगी। और विभिन्न किसानों को जानकारी दी जाएगी। साथ ही प्रदर्शनीते सब वे अधीक्षकों विद्यार्थी जाएगी जिसके लिए किसान अपनी कृषि संबंधी समस्याओं का बोलबोली तीके से सम्पादन होसकते कर सकते हैं। किसानों की सुविधा के लिए फलदार पौधों की मौजे पर खाई होनी दूसरी मौजे के लिए विद्यार्थी को उत्तम किसानों की विद्यार्थी विद्यार्थी के अलावा पहली पौधे भी बिज्जा किए जाते हैं। किसानों को सुविधा के लिए एवं मेला शार्ड में ही हो विश्वविद्यालय की दूसरी ओर जाएंगे। एवं मेला शार्ड से दूर विश्वविद्यालय के फर्म पर न जाएंगे। इस बाबत में में अमरल, बेरी, अवला, करिंव, अंगू, आदि टमटो, पालक, बोन, बटा, गेहू, पानीया, प्पाज, रसनजन का भी उपलब्ध होगा।

7



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिंह पत्र	06.09.2021	08	01-03

एचएयू कृषि मेले में किसानों को नहीं रहेगी बीज की कमी: कुलपति

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में दो साल बाद आयोजित होने वाले ऑफलाइन कृषि मेला(रबी) के दौरान किसानों को विभिन्न फसलों की उत्तम किस्मों के बीज उपलब्ध करवाए जाएंगे। मेले में बिक्री के लिए विश्वविद्यालय के पास विभिन्न फसलों की उत्तम किस्मों का करीब 9000 विवरण बीज उपलब्ध है जो किसानों को मुहैया करवाया जाएगा। इसके अलावा विश्वविद्यालय द्वारा विकसित की गई सब्जियों के बीज भी उपलब्ध करवाए जाएंगे। कुलपति प्रो. वी.आर. काम्बोज ने अधिकारियों की बैठक आयोजित कर दिशा-निर्देश दिए। मेले के दौरान किसानों को विभिन्न फसलों व सब्जियों की उत्तम किस्मों के बीजों के अलावा फलदार पौधे भी बिक्री किए जाते हैं।

किसानों को मेले के दौरान रामधन सिंह सीड फार्म, फार्म निदेशालय व मेला ग्राउंड के प्रवेश द्वारा स्थित बीज

बिक्री केंद्र पर बीजों की बिक्री की जाएगी। इस दौरान गेहूं की किस्मों डब्ल्यूएच-711, डब्ल्यूएच-1105, डब्ल्यूएच-1124, डब्ल्यूएच-1142, डब्ल्यूएच-1184, सी-306, पीबीडब्ल्यू-725, एचडी-2967, एचडी-3086, एचडी-3226, डीबीड ब्ल्यू-303, डीबीडब्ल्यू-187 का बीज उपलब्ध है। जौ की किस्मों बीएच-393, बीएच-946 और सरसों की किस्मों आरएच-30, आरएच-725, आरएच-749, आरएच-761 और आरएच-406 का बीज उपलब्ध रहेगा। चने की किस्मों एचसी-1, एचसी-5, एचसी-7, सीएसजे-515 और सीएनजी-1581, बरसीम का एचबी-1, मास्कवी, एचबी-2 और जई का एचजे-8 व केंट उपलब्ध होगा। सब्जियों में गाजर, मूली, टमाटर, पालक, बेंगन, मटर, मेथी, धनिया, प्याज, शलजम का बीज उपलब्ध रहेगा।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दृष्टिपत्र ३५	०६.०९.२०२१	--	--

एचएयू कृषि मेले में किसानों को नहीं रहेगी बीज की कमी: प्रोफेसर वी.आर. काम्बोज

टुडे न्यूज़ हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में दो साल बाद आयोजित होने वाले ऑफलाइन कृषि मेला(रवी) के दौरान किसानों को विभिन्न फसलों की उन्नत किस्मों के बीज उपलब्ध करवाए जाएंगे। मेले में विक्री के लिए विश्वविद्यालय के पास विभिन्न फसलों की उन्नत किस्मों का करीब 9000 विवरण बीज उपलब्ध है जो किसानों को मुहैया करवाया जाएगा। इसके अलावा विश्वविद्यालय द्वारा विकासित की गई सब्जियों के बीज भी उपलब्ध करवाए जाएंगे।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर वी.आर. काम्बोज ने मेले के सफल आयोजन के लिए अधिकारियों की बैठक आयोजित कर दिशा-निर्देश दिए। किसानों के हित के लिए उनकी मांग पर विश्वविद्यालय द्वारा दो वर्ष बाद कृषि मेले का आयोजन परम्परागत तरीके से ऑफलाइन किया जा रहा है ताकि किसानों को उच्च गुणवत्ता वाले बीज व आशुमिक तकनीक मिल सकें। कुलपति ने बताया कि न केवल प्रदेश विलक्षण अन्य प्रदेशों के किसानों को भी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित किए जाने वाले मेले का इंतजार रहता है और वे भारी तादाद



विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर वी.आर. काम्बोज बैठक के दौरान अधिकारियों को विद्या-विरेष देते हुए।

इन फसलों व सब्जियों के मिलेंगे बीज

किसानों को मेले के दौरान रामगढ़ सिंड सीड फार्म, फार्म निवेशालय व मेला गाउड के प्रबोध द्वारा दिया गई बिक्री केंद्र पर बीजों की बिक्री की जाएगी। इस दौरान गेहूं की किस्मों डब्ल्यूएच-711, डब्ल्यूएच-1105, डब्ल्यूएच-1124, डब्ल्यूएच-1142, डब्ल्यूएच-1184, सी-306, प्रीबीडब्ल्यू-725, एचडी-2967, पर्यां-3086, एचडी-3226, डीबीडब्ल्यू-303, डीबीडब्ल्यू-187 का बीज उपलब्ध है। पर्यां-3086, एचडी-3226, डीबीडब्ल्यू-303, डीबीडब्ल्यू-187 का बीज उपलब्ध है। जो की किस्मों बीएच-393, बीएच-946 और सरटों की किस्मों आरएच-30, आरएच-725, आरएच-749, आरएच-761 और आरएच-406 का बीज उपलब्ध रहेगा। घने की किस्मों एचसी-1, एचसी-5, एचसी-7, सीपसजे-515 और सीएजडी-1581, बरसीम का एचडी-1, मास्टकडी, एचडी-2 और जई का एचडी-8 व केंट उपलब्ध होंगे। सब्जियों में गाजर, मूँगी, टमाटर, पालक, ढेंगन, मटर, मेथी, धनिया, प्याज, शतजम का बीज उपलब्ध रहेगा।

में इसमें हिस्सा लेते हैं। मेले के दौरान राज्य व केंद्र सरकार की ओर से किसानों को लेकर जारी सभी कोरोना महामारी को लेकर जारी सभी है जो किसानों को जागरूक करने हिदायतों का सख्ती से पालन किया जाएगा। किसानों को किसी प्रकार की समाधान भी करेंगी।



10

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार खन का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नम्बर २	०६.०९.२०२१	०२	०३-०४

मेल में किसानों को उपलब्ध करवाए जाएंगे फसलों की उन्नत किस्मों के बीज़ : कुलपति

हिसार/०६ सितंबर/रिपोर्ट

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में दो साल बाद आयोजित होने वाले ऑफलाईन कृषि मेला (रबी) के दौरान किसानों को विभिन्न फसलों की उन्नत किस्मों के बीज उपलब्ध करवाए जाएंगे। मेले में विक्री के लिए विश्वविद्यालय के पास विभिन्न फसलों की उन्नत किस्मों का करीब 9000 विवरण बीज उपलब्ध है जो किसानों को मुहैया करवाया जाएगा। इसके अलावा विश्वविद्यालय द्वारा विकसित की

गई सब्जियों के बीज भी उपलब्ध करवाए जाएंगे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बीआर काम्होज ने मेले के सफल आयोजन के लिए अधिकारियों की बैठक आयोजित कर दिशा-निर्देश दिए। किसानों के हित के लिए उनकी मांग पर विश्वविद्यालय द्वारा दो बर्ष बाद कृषि मेले का आयोजन परस्परणत तरीके से ऑफलाईन किया जा रहा है ताकि किसानों को उच्च गुणवत्ता वाले बीज व आधुनिक तकनीक मिल सकें। कुलपति ने बताया कि न केवल प्रदेश बल्कि अन्य प्रदेशों

के किसानों को भी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित किए जाने वाले मेले का इतजार रहता है और वे भारी तात्परा में इसमें हिस्सा लेते हैं। किसान मेले को सफल बनाने के लिए विश्वविद्यालय की ओर से तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है और कमेटीयों का गठन कर दिया गया है। मेले के दौरान विश्वविद्यालय के लगभग सभी महाविद्यालयों की ओर से प्रदर्शनी लगाई जाएंगी और विभिन्न फसलों की विकासित किस्मों और तकनीकों की जानकारी दी जाएंगी। साथ ही

प्रश्नोत्तरी सत्र भी आयोजित किया जाएगा जिसमें किसान अपनी फसल संबंधी समस्याओं का समाधान हासिल कर सकेंगे। मेले के दौरान किसानों को विभिन्न फसलों व सब्जियों की उन्नत किस्मों के बीजों के अलावा फलदार पौधे भी विक्री किए जाते हैं। किसानों की सुविधा के लिए मेला ग्राउंड में ही फलदार पौधों की दाली खड़ी की जाएगी। इस बार मेले में अमरुद, बेरी, अंवला, करौदा, अंगू, आइ, व अनार के पौधे दिए जाएंगे।